आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 24.04.2026
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने कहा– देहरादून में बन रहा 12 किलोमीटर लंबा चार–लेन एक्सेस–कंट्रोल्ड बाईपास का निर्माण अगले वर्ष तक पूरा होगा।
- सिंचाई विभाग ने उधम सिंह नगर और नैनीताल जिलों के मैदानी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए एक हजार 949 करोड़ रुपये से अधिक की डीपीआर तैयार की।
- कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने कहा– ग्राम स्तर पर आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन विभाग और पंचायती राज विभाग मिलकर कार्य करेंगे।
- रेलवे 15 जुलाई तक पहुंच बढ़ाने और भीड़भाड़ कम करने के लिए 18 हजार से अधिक ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियां चलाने की योजना बना रहा है।

ग्रीनफील्ड

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने देहरादून शहर में यातायात दबाव कम करने और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 12 किलोमीटर लंबे ग्रीनफील्ड और चार–लेन एक्सेस–कंट्रोल्ड बाईपास के निर्माण कार्य में तेजी लाई है। यह बाईपास दिल्ली–देहरादून आर्थिक गलियारे से जुड़ते हुए शहर के दक्षिण–पश्चिमी हिस्से में एक वैकल्पिक मार्ग के रूप में कार्य करेगा।

यह परियोजना देहरादून के झाझरा से शुरू होकर पांवटा साहिब–बल्लूपुर को जोड़ते हुए आशारोड़ी चेक पोस्ट के पास दिल्ली–देहरादून आर्थिक गलियारे से जुड़ेगी। लगभग 716 करोड़ रुपये की लागत से विकसित हो रही इस परियोजना का करीब 44 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और इसके अप्रैल 2027 तक पूरा होने की संभावना ळें यह एक्सेस–कंट्रोल्ड राष्ट्रीय राजमार्ग ट्रांजिट ट्रैफिक को देहरादून शहर में प्रवेश किए बिना ही डायवर्ट करेगा, जिससे शहर के भीतर यातायात दबाव और वाहन प्रदूषण में कमी आएगी। साथ ही, यह मार्ग सेलाकुई औद्योगिक क्षेत्र, विकासनगर, हर्बर्टपुर और पांवटा साहिब की ओर जाने वाले यातायात को अधिक सुगम बनाएगा। यह परियोजना हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश सहित उत्तरी राज्यों के साथ अंतर–राज्यीय कनेक्टिविटी को भी मजबूत करेगी। परियोजना को दीर्घकालिक स्थिरता को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। सड़क की डिजाइन गति 100 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है, जबकि वन क्षेत्रों में प्रभाव कम करने के लिए कुछ हिस्सों में यह गति 80 किलोमीटर प्रति घंटा रखी गई।

जल निकासी डीपीआर

उधमसिंह नगर और नैनीताल जिलों के मैदानी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए सरकार ने ड्रेनेज प्लान तैयार किया है। इसके तहत सिंचाई विभाग ने एक हजार 949 करोड़ रुपये से अधिक की डीपीआर तैयार कर परीक्षण के बाद शासन को भेज दी है।

मुख्य अभियंता संजय शुक्ल ने बताया कि रुद्रपुर शहर के लिए 786 करोड़ 13 लाख रुपये की डीपीआर तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि शासन से स्वीकृति मिलते ही कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

रुद्रपुर के जलभराव प्रभावित क्षेत्र में रहने वाले किसान मनोज गुप्ता का कहना है कि जलभराव से उन्हें कृषि के साथ–साथ आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। उन्होंने ड्रेनेज प्लान का स्वागत करते हुए कहा कि इससे क्षेत्रवासियों को जल्द ही जलभराव से निजात मिलेगी।

आपदा प्रबंधन

आपदा प्रबंधन और पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक ने कहा है कि आपदा प्रबंधन विभाग और पंचायती राज विभाग मिलकर कार्य करेंगे, ताकि ग्राम स्तर पर आपदा से निपटने की क्षमता को मजबूत किया जा सके और स्थानीय स्तर पर त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित हो। इस पहल के तहत प्रथम चरण में राज्य के ग्राम प्रधानों को आपदा प्रबंधन का व्यवहारिक और आवश्यक तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

श्री कौशिक ने कल देहरादून में विभिन्न कार्यों की समीक्षा के दौरान ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्राम प्रधानों को आपदा की स्थिति में फर्स्ट रिस्पांडर के रूप में तैयार करना है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य में व्यापक स्तर पर आपदा सुरक्षित गांव विकसित किए जाएंगे, जो भूकंप, भूस्खलन, बाढ़ और अन्य संभावित आपदाओं का सामना करने में सक्षम हों।

रेल मंत्री

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ग्रीष्म ऋतु के दौरान चलाई जा रही अतिरिक्त रेलगाड़ियों की कल नई दिल्ली में एक बैठक में समीक्षा की। रेल मंत्रालय ने बताया कि रेलवे 15 जुलाई तक पहुंच बढ़ाने और भीड़भाड़ कम करने के लिए अठारह हजार से अधिक ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियां चलाने की योजना बना रहा है। मंत्रालय ने बताया कि 11 हजार से अधिक ट्रेन यात्राओं की सूचना पहले ही दी जा चुकी है। यह व्यापक संचालन बेहतर रेल व्यवस्था, अनुकूलित समय–सारणी और निरंतर निगरानी वाली एक सुनियोजित दृष्टिकोण को दर्शाती है।

पश्चिम एशिया संकट

केंद्र सरकार पश्चिम एशिया संकट के कारण उत्पन्न स्थिति में नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। नई दिल्ली में अंतर–मंत्रालयी ब्रीफिंग में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि देश भर में घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति सामान्य और वाणिज्यिक एलपीजी आपूर्ति लगभग 70 प्रतिशत है।

स्थायीकरण

चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने राज्य के राजकीय मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत 53 असिस्टेंट प्रोफेसरों के स्थायीकरण को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय उनकी दो वर्ष की अनिवार्य सेवा और परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने के बाद लिया गया है। स्थायीकरण की प्रक्रिया के तहत श्रीनगर मेडिकल कॉलेज के 10, दून मेडिकल कॉलेज के 14, हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज के 19, अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज के 9 और हरिद्वार मेडिकल कॉलेज के एक, कुल 53 असिस्टेंट प्रोफेसरों को नियमित किया गया है।

इस निर्णय से मेडिकल कॉलेजों के शैक्षणिक और संस्थागत ढांचे को मजबूती मिलेगी। साथ ही, अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और निरंतरता में भी सुधार होगा।

पेशावर कांड दिवस

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कल पौड़ी गढ़वाल में पेशावर कांड के नायक वीर चंद्र सिंह गढ़वाली को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर डॉ. रावत ने कहा कि पेशावर कांड दिवस केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि हमारे गौरवशाली इतिहास, साहस और मानवीय मूल्यों की जीवंत मिसाल है। उन्होंने कहा कि 23 अप्रैल 1930 को वीर चंद्र सिंह गढ़वाली द्वारा लिया गया "गढ़वाली, सीज फायर" का निर्णय विश्व इतिहास में एक अद्वितीय उदाहरण है, जिसने यह सिद्ध किया कि सच्चा वीर वही होता है, जो अन्याय के विरुद्ध खड़ा होकर मानवता का साथ देता है।

डॉ. रावत ने कहा कि राज्य सरकार सहकारिता के माध्यम से गांव–गांव तक विकास योजनाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की प्राथमिकता अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है, जिससे समावेशी विकास को बढ़ावा मिले और ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो।

एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर....

टिहरी और रुद्रप्रयाग में हुई सड़क दुर्घटनाओं को आज सभी समाचार पत्रों ने प्राथमिकता से पहले पृष्ठ पर प्रकाशित किया है।

इस खबर पर हिन्दुस्तान समाचार पत्र का शीर्षक है– टिहरी और रुद्रप्रयाग में सड़क हादसों में ग्यारह लोगों की जान गई। दैनिक जागरण लिखता है– खाई में गिरे दो वाहन, अंत्येष्टि से लौट रहे आठ लोगों सहित 11 की मौत।

प्रदेश में भवन गणना के कार्य पर दैनिक जागरण ने लिखा है – भवन गणना के लिए तैयारी पूरी, 30 हजार से अधिक पर्यवेक्षक तैनात।

उत्तरकाशी जिले में स्थित मुखवा गांव में गंगा सप्तमी के उत्सव पर दैनिक जागरण की सुर्खी है – गंगा की धारा में 11 हजार दीपों का दान कर मनाया गंगा सप्तमी पर्व।